७. लोकसंख्या

ढूँढ़ो तो जानो !

निम्नलिखित जानकारी किसी भी एक दिन प्राप्त करो :

- आपकी कक्षा में कुल विद्यार्थी संख्या कितनी है ?
- उसमें से कितने लड़के और कितनी लड़कियाँ हैं ?
- कितने विद्यार्थी अनुपस्थित हैं ?
- आपके विद्यालय में कुल कितने विद्यार्थी हैं ?
- विद्यालय में कितने लड़के एवं लड़कियाँ हैं ?
- किस कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है ?
- किस कक्षा में सबसे अधिक अनुपस्थिति है ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

उपरोक्त गतिविधि के माध्यम से तुमने अपने विद्यालय के छात्र संख्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इसी तरह गाँव, तहसील, जिला, राज्य, देश एवं वैश्विक स्तर पर भी जनसंख्या की जानकारी हम एकत्रित कर सकते हैं । यह जानकारी प्राप्त करते समय आयु, लिंग संरचना, साक्षरता इत्यादि का विचार करना पड़ता है ।

किसी प्रदेश के विकास में अनेक घटक सहायक होते हैं । उसमें जनसंख्या एक महत्वपूर्ण घटक है । किसी भी प्रदेश की जनसंख्या का अध्ययन करते समय निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखा जाता है ।

- जनसंख्या की वृद्धि
- जनसंख्या का वितरण
- जनसंख्या का घनत्व
- जनसंख्या की संरचना

बताओ तो !

विवरण	अंतर	'अ' नगर	'ब' नगर
कुल जनसंख्या २०१६		१,००,०००	१,१०,०००
कुल जन्मे हुए बच्चे	+	२,०००	२,७५०
मृत जनसंख्या	–	१,५००	२,२००
बाहर से आए हुए लोग	+	२३,०००	१५,०००
नगर छोड़कर बाहर गए लोग	–	२,०००	५,०००
कुल जनसंख्या २०१७		?	?

- किस नगर में जन्मे हुए बच्चों की संख्या अधिक है ?
- मृत लोगों की जनसंख्या किस नगर में अधिक है ?
- किस नगर में बाहर से अधिक लोग आए हैं ?
- दोनों नगरों की वर्ष २०१७ में जनसंख्या कितनी होगी ? गणना करो ।
- सभी बिंदुओं का विचार करते हुए एक वर्ष में किस नगर की जनसंख्या में अधिक वृद्धि हुई है ?
- कुल जन्मे बच्चों की संख्या दी गई है। प्रति हजार जनसंख्या के अनुसार इनकी संख्या कितनी होगी ? इसे क्या कहा जाता है ?
- मृत जनसंख्या को प्रति हजार जनसंख्या के अनुसार गणना करो । ऐसी संख्या को क्या कहेंगे ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जनसंख्या वृद्धि:

उपरोक्त गतिविधि के द्वारा यह ध्यान में आता है कि किसी क्षेत्र की जनसंख्या में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। कभी जनसंख्या कम हो जाती है तो कभी बढ़ती है। यह वृद्धि अथवा कमी कुछ कारकों पर निर्भर होती है जिनमें मुख्य हैं – जन्म दर, मृत्यु दर, औसत आयु, स्थलांतर इत्यादि।

- **जन्मदर :** एक वर्ष में प्रति हजार जनसंख्या के अनुपात में जन्म लेने वाले जीवित शिशुओं की संख्या जन्मदर कहलाती है।
- **मृत्युदर :** एक वर्ष की कालावधि में प्रति हजार जनसंख्या के अनुपात में मृत व्यक्तियों की संख्या मृत्यु दर कहलाती है।
- **जीवन प्रत्याशा :** किसी प्रदेश में एक व्यक्ति के जन्म के समय का औसत जीवनकाल का अनुमान
- **प्रवासन :** व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह का दूसरे स्थान पर जाना या दूसरे स्थान से आना । किसी प्रदेश में यदि बाहर से कोई व्यक्ति निवास हेतु आए तो वह अंप्रवास कहलाएगा । और यदि किसे प्रदेश से व्यक्ति अन्य स्थानों पर जाए तो उसे उत्प्रवास कहेंगे ।

उपरोक्त सभी कारकों का जनसंख्या की वृद्धि पर परिणाम होता है। जन्म दर एवं मृत्यु दर के बीच का अंतर प्राकृतिक रूप से जनसंख्या में होनेवाले परिवर्तनों के लिए

उल्लेखनीय कारण है। उसी तरह, व्यक्ति अथवा व्यक्ति के समूहों में होनेवाले प्रवासन से भी जनसंख्या में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। जनसंख्या में अनियंत्रित वृद्धि के कारण संसाधनों पर दबाव पड़ता है । इसके विपरीत यदि जनसंख्या नियंत्रित होगी तो संसाधन योग्य प्रमाण में उपलब्ध रहते हैं । जनसंख्या का नियंत्रण में रहना उस प्रदेश के विकास का सूचक है ।

करके देखो ।

✓ लोबिया/सेम/सोयाबीन के करीब १०० दाने/बीज लो ।
✓ फिर इन बीजों को ३० × ३० वर्ग सें.मी. के चौकोन में फैला दो ।
✓ अब और १०० बीजों को लो और १५ × १५ वर्ग सें.मी. में फैला दो ।
✓ जब बीजों को फैलाओ तो यह ध्यान में रखो कि बीज एक दूसरे पर न आएँ । आकृति ७. १ देखो ।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो :

- किस चौकोन में बीज अधिक फैले हुए दिखाई दे रहे हैं ?
- किस चौकोन में बीज खचाखच भरे हुए दिखाई दे रहे हैं ?
- क्या बीजों के वितरण और किसी प्रदेश की जनसंख्या के वितरण में संबंध लगाया जा सकता है ?
- इन बीजों का वितरण अधिक फैला हुआ दिखाई देने के लिए क्या कर सकते हैं ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जनसंख्या का वितरण :

हमने देखा कि सेम के बीज दो अलग-अलग विस्तार वाले क्षेत्रों में भिन्न प्रकार से बिखरे हुए थे। बड़े क्षेत्र में वितरण कम घना था तो वहीं कम क्षेत्र वाले चौकोर में वितरण घना था। आकृति ७.१ देखो।

जनसंख्या के वितरण से हमें यह समझ में आता है

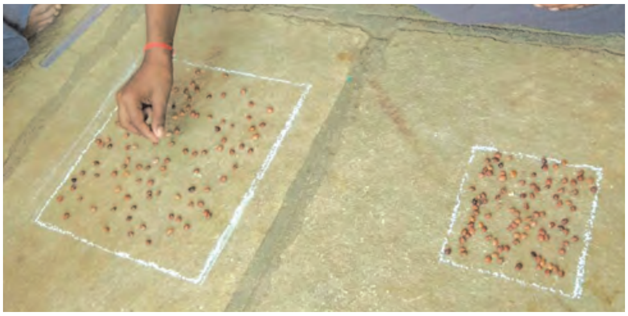

आकृति ७.१

कि किसी प्रदेश की जनसंख्या किस प्रकार बिखरी हुई है। प्रदेश में कहीं पर्वतीय क्षेत्र होता है तो कहीं समतल मैदान। भौगोलिक परिस्थितियाँ भिन्न-भिन्न होती हैं । कुछ क्षेत्र संसाधन से संपन्न होते हैं तो कुछ प्रदेशों में संसाधन सीमित होते हैं । इन परिस्थितियों का जनसंख्या के वितरण पर प्रभाव पड़ता है ।

विपुल संसाधनों के क्षेत्र में स्वाभाविक रूप से जनसंख्या अधिक होती है। ऐसे क्षेत्रों में जनसंख्या वितरण घना होता है । इसके विपरीत जिन प्रदेशों में संसाधनों का अभाव होता है अथवा अनुकूल जलवायु के अभाव के कारण अथवा भूमि अधिक असमतल हो तो जनसंख्या कम होती है । ऐसे प्रदेशों में जनसंख्या का वितरण विरल होता है ।

करके देखो ।

२ × २ वर्ग. मी. आकार का चौकोर बना लो । इस चौकोर में पहले दो विद्यार्थियों को खड़ा करें। और फिर थोड़े- थोड़े समय में चार, फिर छह, फिर आठ, इस प्रकार से चढ़ते क्रम में बच्चों की संख्या बढ़ाते जाओ ।

हर बार बच्चों की संख्या को बढ़ाते समय निम्नलिखित प्रश्न पूछो ।

- क्या तुम दिए गए क्षेत्र में आसानी से घूम-फिर सकते हो ?
- क्या हम और बच्चे इस चौकोन में खड़े कर सकते हैं ?

उपरोक्त प्रश्नों के जब नकारात्मक उत्तर आने लगें

जनसंख्या के वितरण पर परिणाम करने वाले कारक

प्राकृतिक कारक	आर्थिक कारक	राजनीतिक कारक	सामाजिक कारक
(१) स्थिति	(१) कृषि	(१) युद्ध	(१) वंश
(२) प्राकृतिक संरचना	(२) उद्योग	(२) राजनीतिक अस्थिरता	(२) धर्म
(३) जलवायु	(३) नगरीकरण	(३) सरकारी नीतियाँ	(३) भाषा
(४) मृदा	(४) यातायात		(४) रूढ़ियाँ एवं परंपराएँ
(५) खनिज संसाधन	(५) बाजार		

तो कक्षा के सभी बच्चों को इस गतिविधि द्‌वारा किए गए निरीक्षणों को लिखने के लिए कहें एवं कक्षा में जनसंख्या के घनत्व पर चर्चा कराएँ।

आकृति ७.२ : गतिविधि में हिस्सा लेते हुए विद्‌यार्थी

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जनसंख्या का घनत्व : किसी प्रदेश की जनसंख्या एवं क्षेत्रफल के बीच का अनुपात जनसंख्या का घनत्व कहलाता है। जनसंख्या वितरण का अध्ययन करते समय जनसंख्या के घनत्व का विचार किया जाता है । घनत्व की गणना निम्नलिखित सूत्र के अनुसार की जाती है :

$$\text{जनसंख्या का घनत्व} = \frac{\text{प्रदेश की जनसंख्या}}{\text{प्रदेश का क्षेत्रफल}}$$

तालिका पूर्ण करो ।

(जनगणना : २०११)

अ. नं.	राज्य	जनसंख्या (२०११)	क्षेत्रफल (चौ.किमी)	घनत्व
१	उत्तर प्रदेश	१९,९८,१२,३४१	२,४०,९२८	
२	महाराष्ट्र	११,२३,७४,३३३	३,०७,७१३	
३	तमिलनाडु	७,२१,४७,०३०	१,३०,०५८	
४	राजस्थान	६८,५४,८४,३७	३,४२,२३९	
५	मणिपुर	२७,२१,७५६	२२,३२७	
६	गोआ	१४,५८,५४५	३,७०२	

यदि किसी प्रदेश का क्षेत्रफल एवं वहाँ रहने वाली जनसंख्या ज्ञात हो तो वहाँ एक वर्ग किमी. में कितने लोग रहते हैं, इसका पता चल सकता है । जनसंख्या का घनत्व सभी स्थानों पर एक जैसा नहीं होता । किसी प्रदेश का आकार छोटा हो सकता है और यदि वहाँ जनसंख्या अधिक हो तो घनत्व अधिक होगा । उदा. गोआ । कुछ प्रदेशों का क्षेत्रफल अधिक हो सकता है और वहाँ जनसंख्या कम होने से घनत्व भी कम होता है । उदा. राजस्थान ।

थोड़ा दिमाग लगाओ

क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भले ही बड़ा हो पर वहाँ की जनसंख्या कम है । किस भौगोलिक कारक का यह परिणाम होगा ?

करके देखो ।

अपने आसपास से बीस व्यक्तियों के नाम याद करो और निम्नलिखित वर्गों में विभाजित करो :

छोटे, बड़े, बुज़ुर्ग, सुशिक्षित, अशिक्षित, स्त्री, पुरुष, विद्‌यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी, व्यवसायी, बेरोजगार, गृहिणी इत्यादि ।

- उपरोक्त वर्गीकरण के द्‌वारा आस-पास के इन लोगों की क्या विशेषताएँ तुम्हारे ध्यान में आती हैं ?
- क्या ऐसा वर्गीकरण पूरे देश के लिए किया जा सकता है ?
- उपरोक्त वर्गीकरण की प्रक्रिया में कौन-सी समस्याएँ आईं ?
- इस वर्गीकरण का एवं जनसंख्या की गुणवत्ता का क्या संबंध है ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जनसंख्या संरचना : जनसंख्या को अलग-अलग घटकों में वर्गीकृत किया जा सकता है। इन घटकों के परस्पर संबंधों के अध्ययन के द्‌वारा किसी प्रदेश के जनसंख्या की संरचना एवं गुणवत्ता का पता चलता है।

बताओ तो !

संज्ञा :

- पुरुष • कुमार • निरक्षर • बालक • बेरोजगार
- शिशु • साक्षर • ग्रामीण • कार्यशील समूह • नगरीय
- स्त्री • वृद्‌ध • युवक • आश्रित समूह • प्रौढ़

उपरोक्त संज्ञाओं को निम्नलिखित वर्गों में वर्गीकृत करो । लिंग, आयु, ग्रामीण, नगरीय साक्षरता, कार्यशील

उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर जनसंख्या के उपघटक किए जाते हैं । इन घटकों एवं उनके परस्पर संबंधों का अध्ययन लोकसंख्या संरचना के अंतर्गत किया जाता है।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

लिंग अनुपात :

जनसंख्या का स्त्री एवं पुरुष में वर्गीकरण सर्वाधिक

प्राकृतिक एवं स्वाभाविक वर्गीकरण है। सामान्यतः, जनसंख्या के ये दोनों घटक समान अनुपात में हों तो जनसंख्या में संतुलन दिखाई देता है । जनसंख्या के अध्ययन में स्त्री-पुरुष अनुपात का अध्ययन महत्वपूर्ण है । यह अनुपात प्रमाण निम्नलिखित पद्धति से निकाला जाता है ।

$$\text{लिंग अनुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की कुल संख्या}}{\text{पुरुषों की कुल संख्या}} \times १००० $$

यदि प्रति हजार पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या कम होगी तो लिंग अनुपात कम माना जाता है और यदि प्रति हजार पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या अधिक होगी तो लिंग अनुपात अधिक माना जाएगा ।

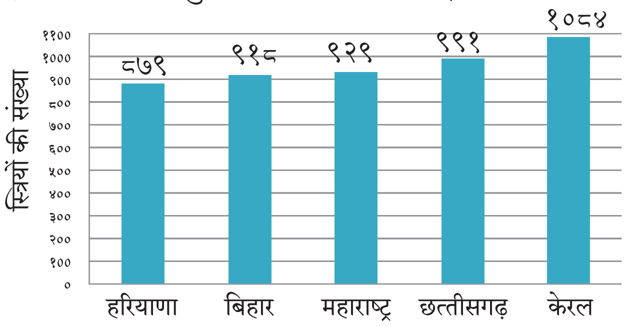

आकृति ७.३ : लिंग अनुपात – २०११

उपरोक्त आलेख का अध्ययन कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो :

- किस राज्य में लिंग अनुपात सर्वाधिक है ?
- किस राज्य में लिंग अनुपात सबसे कम है ?
- महाराष्ट्र की जनसंख्या में संतुलन पाने के लिए अनुपात में कितना एवं किस प्रकार का परिवर्तन अपेक्षित है ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जहाँ स्त्रियों का अनुपात पुरुषों से अधिक है वहाँ मुख्यतः पुरुषों का उत्प्रवास अधिक होता है। ऐसा प्रवासन अधिकतर रोजगार हेतु होता है। उदा. केरल । किंतु जहाँ स्त्रियों की संख्या कम होती है वहाँ मुख्यतः स्त्रियों का जन्म दर ही कम होता है ।

देखो होता है क्या ?

- असमान लिंग अनुपात का समाज पर क्या परिणाम होता है ?
- लिंग अनुपात संतुलित रखने हेतु क्या उपाय किए जा सकते हैं ?

बताओ तो !

निम्नलिखित प्रश्नों के आधार पर कक्षा में चर्चा करो ।

- तुम्हारे घर में कितने लोग पढ़ रहे हैं ? उनकी आयु क्या है ?
- तुम्हारे घर में कितने लोग उपार्जन करते हैं ? उनकी आयु क्या है ?
- क्या आपके दादा-दादी/नाना-नानी अभी भी कार्य करते हैं ? उनकी आयु क्या है ?

भौगोलिक स्पष्टीकरण

आयु समूह अनुपात :

किसी प्रदेश में जनसंख्या के उपघटकों के वर्गीकरण हेतु जब आयु का विचार किया जाता है तो उसे जनसंख्या की आयु-समूह संरचना कहते हैं । इसका उपयोग भविष्य में कार्यशील आयुसमूहें एवं आश्रीत समूहों का अनुपात समझने में हो सकता है । साथ ही कार्यशील एवं आश्रित समूहों का अनुपात जानने के लिए उपयोग होता है ।

भारत में कार्यशील जनसंख्या का समूह १५-५९ आयु के लोगों का होता है । इसे कार्यशील समूह कहते हैं । देश की अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता होती है । इस समूह के व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय में कार्यरत होते हैं । जिस प्रदेश में ऐसे समूह का एवं उसमें भी युवाओं का अनुपात अधिक होता है, ऐसे प्रदेशों का विकास तीव्र गति से होता है ।

आश्रित जनसंख्या का वर्गीकरण दो उपसमूहों में किया जाता है । १५ वर्ष से कम आयु वाले व्यक्ति पूर्णतः कार्यशील समूह पर आश्रित हैं । ६० वर्ष एवं उससे अधिक आयु वाले व्यक्तियों का भी आश्रित समूह में समावेश होता है किंतु उनका ज्ञान एवं अनुभव इस समूह की अनमोल विरासत है और इसीलिए वह पूरे समाज के लिए उपयोगी है ।

कार्य के अनुसार जनसंख्या की संरचना :

प्रदेश की जनसंख्या को कार्यशील एवं अकार्यशील समूहों में वर्गीकरण किया जाता है । जो लोग कार्यशील समूह में होकर भी नौकरी अथवा व्यवसाय में कार्यरत नहीं हैं, वे अकार्यशील हुए । अकार्यशील जनसंख्या भी कार्यशील जनसंख्या पर आश्रित होती है । यदि प्रदेश में कार्यकारी लोगों का प्रमाण अधिक होगा तो उस जनसंख्या

को उद्यमशील जनसंख्या कहा जाएगा । ऐसे प्रदेश का विकास तेजी से होगा ।

निवास स्थान : अधिवास के अनुसार प्रदेश में जनसंख्या का वर्गीकरण ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में किया जा सकता है । ग्रामीण भाग में लोग बड़े पैमाने पर प्राथमिक व्यवसायों में कार्यरत रहते हैं। नगरीय भागों में द्‌वितीयक एवं तृतीयक व्यवसायों में कार्यरत जनसंख्या का प्रमाण अधिक होता है । ग्रामीण जनसंख्या प्रदेश में अन्न उत्पादन में कार्यरत होती है । नगरीय जनसंख्या अनाज-खाद्‌यसामग्री हेतु ग्रामीण जनसंख्या पर आश्रित रहती है ।

करके देखो ।

निम्नलिखित तालिका के आधार पर स्तंभारेख तैयार करो । कक्षा में विभिन्न देशों के साक्षरता प्रमाण पर चर्चा करो और टिप्पणी लिखो ।

सं.क्र.	देश	साक्षरता %
१	अर्जेंटीना	९८.१
२	ब्राज़ील	९२.६
३	भारत	७२.१
४	चीन	९६.४
५	बांग्लादेश	६१.५
६	पाकिस्तान	५६.४
७	इरान	८६.८
८	अफगानिस्तान	३८.१

स्रोत- आँकड़ें २०१०

बताओ तो !

- पाठ क्र. ६ (पृष्ठ ४१) में मोढ़ा गाँव में हुए परिवर्तनों के पीछे क्या कारण होंगे ?
- ये परिवर्तन किस प्रकार के हैं ?
- क्या इन परिवर्तनों के कारण जनसंख्या में भी परिवर्तन हुआ होगा ? कौन-सा ?

साक्षरता : समाज में कुछ लोग साक्षर होते हैं तो कुछ लोग निरक्षर। यदि कोई व्यक्ति लिखना-पढ़ना जानता है तो हमारे देश में उसे साक्षर माना जाता है । यह व्याख्या अलग-अलग देशों में अलग-अलग स्वरूप की हो सकती है । साक्षरता का प्रतिशत प्रदेश की जनसंख्या की गुणवत्ता पर प्रकाश डालती है ।

केवल ७ वर्ष या उससे अधिक आयु की जनसंख्या को साक्षर अथवा निरक्षर में वर्गीकृत किया जाता है । साक्षरता सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति का सूचक है । यदि साक्षरता दर अधिक है तो देश सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से विकसित समझा जाता है । साक्षरता के कारण सुसंस्कृत एवं प्रगतिशील समाज का निर्माण होता है ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

प्रवासन :

जब व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता है तो उसे प्रवासन कहते हैं। प्रवासन अल्पकालीन अथवा दीर्घकालीन अथवा स्थायी स्वरूप का हो सकता है। उदा. विवाह, शिक्षा, व्यवसाय, तबादला, पर्यटन, प्राकृतिक आपदा, युद्‌ध इत्यादि कारणों से लोग प्रवासन करते हैं। प्रवासन के अनेक प्रकार हो सकते हैं ।

जिस क्षेत्र से लोग प्रवासन करते हैं, वहाँ की जनसंख्या कम हो जाती है। इसीलिए उस प्रदेश में मानव संसाधन का अभाव हो जाता है। इसके विपरीत जहाँ जाकर लोग बसते हैं वहाँ जनसंख्या में वृद्‌धि होती है और सार्वजनिक सेवाओं पर तनाव बढ़ता है। जनसंख्या की संरचना में भी परिवर्तन आता है ।

बताओ तो !

तालिका के आधार पर उत्तर दो : स्रोत- आँकड़ें २०१०

देश	प्रवासीय जनसंख्या का प्रतिशत
अफगानिस्तान	०.१४
ब्राज़ील	०.३४
कुवैत	६२.११
बांग्लादेश	०.७३
जर्मनी	१२.३१
हाँगकाँग	४२.५९
इजराइल	३७.८७
भारत	०.५२
ओमान	२४.४६
सऊदी अरब	२५.२५
ग्रेट ब्रिटन	८.९८
संयुक्त राज्य अमरीका	१२.८१

- किन देशों में जनसंख्या का १०% से भी कम भाग प्रवासित लोगों का है?
- किस देश में जनसंख्या का १० से २०% भाग प्रवासित जनसंख्या का है?
- २०% से अधिक प्रवासन जनसंख्या किस देश में है? इसके पीछे के कारण ढूँढ़ने का प्रयत्न करो ।
- किसी भी दो देशों के लिए वृत्तारेख बनाइए ।
- प्रवासन एवं प्रदेश के विकास पर टिप्पणी लिखो ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जनसंख्या के वितरण पर परिणाम करने वाले कारकों में प्रवासन एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रवासन के कारण प्रदेश की जनसंख्या का पुनर्वितरण होता है। जनसंख्या की संरचना पर असर होता है।

उपरोक्त तालिका में कुछ देशों में प्रवासी जनसंख्या का अनुपात दिया गया है । जहाँ प्रवासी जनसंख्या का प्रतिशत अधिक है, वह मुख्यतः रोजगार एवं व्यवसाय के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, आर्थिक विकास, इत्यादि कारकों का परिणाम है। इसके विपरीत राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ, आर्थिक पिछड़ापन इत्यादि कारणों से प्रवासितों की संख्या कम होती है। भारत जैसे देश में प्रवासितों का प्रतिशत भले ही कम हो किंतु जनसंख्या की तुलना में यह संख्या अधिक दिखाई पड़ती है।

थोड़ा दिमाग लगाओ ।

भारत में ०.५२% जनसंख्या प्रवासित है । बताओ कि कितने लोग प्रवासन के द्वारा भारत में आए ?

बताओ तो !

निम्नलिखित प्रश्नों के आधार पर चर्चा करो और उत्तर दो :

- नीचे दिए गए स्थानों पर कार्य करने वाले लोगों को तुम क्या कहते हो ?
  खेत, कारखाना, होटल, अस्पताल, दुकान, विद्यालय, कार्यालय ।

(टिप्पणी: यदि आवश्यकता हो तो सूची और बढ़ा दो ।)

- ऐसे कार्य करने वाले लोग कितनी आयु तक काम करते हैं?
- काम के बदले उन्हें क्या मिलता है ?
- किन कामों में कौशल की आवश्यकता होती है ?
- किन कामों के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है?
- कौन-से काम शिक्षा के बिना भी किए जा सकते है ?
- शिक्षा, कौशल एवं प्राप्त होने वाले पारिश्रमिक का संबंध बताओ एवं तालिका तैयार करो ।

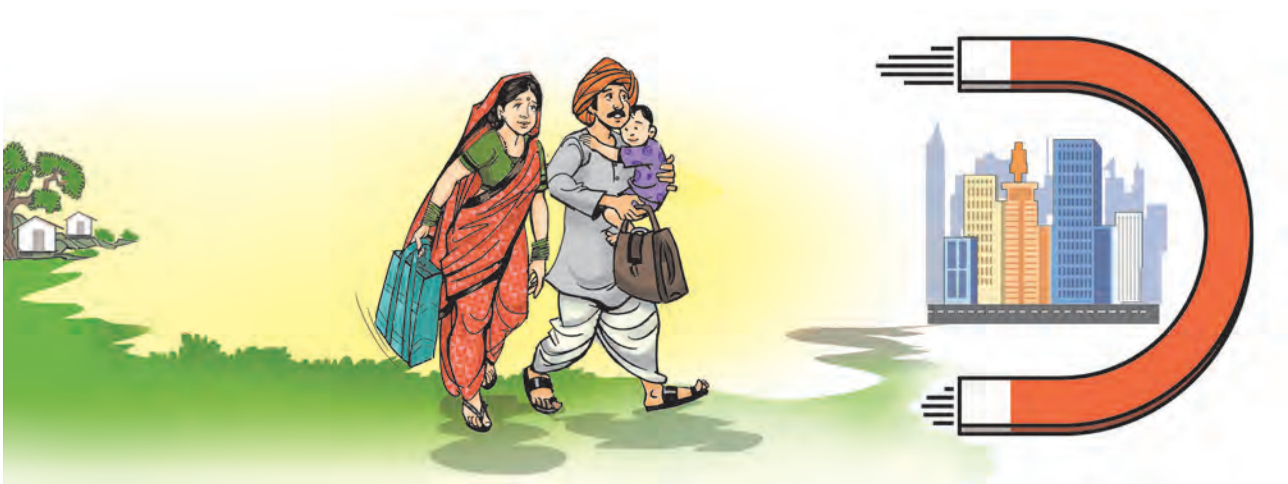

आकृति ७.४ : प्रवासन

भौगोलिक स्पष्टीकरण

जनसंख्या – एक संसाधन :

किसी भी देश के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन है । लोगों की संख्या की अपेक्षा उनकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। साक्षरता दर, लिंग अनुपात, आयु-समूह के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा का स्तर इत्यादि बिंदुओं का विचार जनसंख्या को संसाधन मानते समय किया जाता है । जनसंख्या की गुणवत्ता के अनुसार कुशल एवं अकुशल मानव संसाधन की आपूर्ति होती है ।

इसका अर्थ है कि, जनसंख्या में वृद्धि हुई। पर क्या तुम उनके 'विकास' के बारे में कुछ कह सकते हो ? अर्थात यदि वहाँ बढ़ी हुई जनसंख्या को रहने के लिए घर न हों, पीने के लिए पानी न हो तो उस वृद्धि से क्या तात्पर्य ? विकास को नापने का आधार क्या है ? उस शहर में कितने लोगों को पीने का पानी उपलब्ध है अथवा कितने बच्चे विद्यालय जाने लगे हैं? अथवा किस शहर के लोग अधिक प्रसन्न हैं? वृद्धि का अर्थ विकास नहीं ! फिर विकास की गणना कैसे की जाए ?

काफी दशकों तक किसी देश का विकास केवल उस देश के राष्ट्रीय सकल उत्पाद से तय होता था । अर्थात जितनी बड़ी अर्थव्यवस्था उतना वह देश विकसित समझा जाता था । पर इसका अर्थ यह नहीं कि उस देश की जनसंख्या वहाँ के जीवन की गुणवत्ता से संतुष्ट हैं । देखा जाए तो विकास का संबंध जनसंख्या का जीवन-स्तर, जीवन की गुणवत्ता, वहाँ मिलनेवाले अवसरों एवं स्वतंत्रता से है ।

१९८० एवं १९९० के दशक में महबूब-अल-हक एवं अमर्त्य सेन ने मानव विकास सूचकांक की संकल्पना प्रस्तुत की । इस संकल्पना पर आधारित मानव विकास सूचकांक यूएनडीपी (UNDP) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

करके देखो ।

तालिका में दिए गए विविध देशों के मानव विकास सूचकांक-२०१६ पर एक टिप्पणी लिखो ।

मानव विकास सूचकांक क्रमवारिता	देश	मानव विकास सूचकांक प्राप्त अंक	विकास का स्तर
१	नॉर्वे	०.९४९	अति उच्च
२	ऑस्ट्रेलिया	०.९३९	"
२	स्विट्ज़रलैंड	०.९३९	"
४	जर्मनी	०.९२६	"
५	डेन्मार्क	०.९२५	"
१६	यूनाइटेड किंग्डम	०.९०९	"
१७	जापान	०.९०३	"
७३	श्रीलंका	०.७६६	उच्च
७९	ब्राज़ील	०.७५४	"
९०	चीन	०.७३८	"
११९	दक्षिण अफ्रीका	०.६६६	मध्यम
१३१	भारत	०.६२४	"
१३२	भूटान	०.६०७	"
१४७	पाकिस्तान	०.५५०	"
१६९	अफगानिस्तान	०.४७९	निम्न
१८७	नाइजर	०.३५३	"
१८८	केंद्रीय अफ्रीकी गणराज्य	०.३५२	"

(आँकड़े २०१६)

मानव विकास सूचकांक :

जब मानव की स्थिति का अध्ययन अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विकास से किया जाता है तो मानव विकास सूचकांक माना जाता है । केवल आर्थिक समृद्धि ही विकास नहीं होता, यह अब स्वीकार किया जा चुका है । यह विचार केवल व्यक्ति हेतु लागू नहीं है तो पूरे प्रदेश अथवा देश के लिए भी है । प्रादेशिक विकास के मानदंडों में मानव विकास सूचकांक को संकेतक के रूप में समाविष्ट किया गया है । इस सूचकांक का निर्धारण करते समय तीन संकेतकों का विचार किया जाता है ।

- आर्थिक संकेतक (औसत जीवन स्तर)
- स्वास्थ्य (औसत जीवन प्रत्याशा)
- शिक्षा (शैक्षणिक कालावधि)

मानव विकास सूचकांक का मूल्य शून्य से एक के बीच होता है। अति विकसित प्रदेशों का सूचकांक एक के करीब रहता है और प्रगति का स्तर जैसे-जैसे कम होगा, वैसे-वैसे यह सूचकांक कम होता जाता है । किसी प्रदेश में यदि विकास बहुत ही कम होगा तो सूचकांक शून्य के पास होगा ।

मानचित्र से दोस्ती

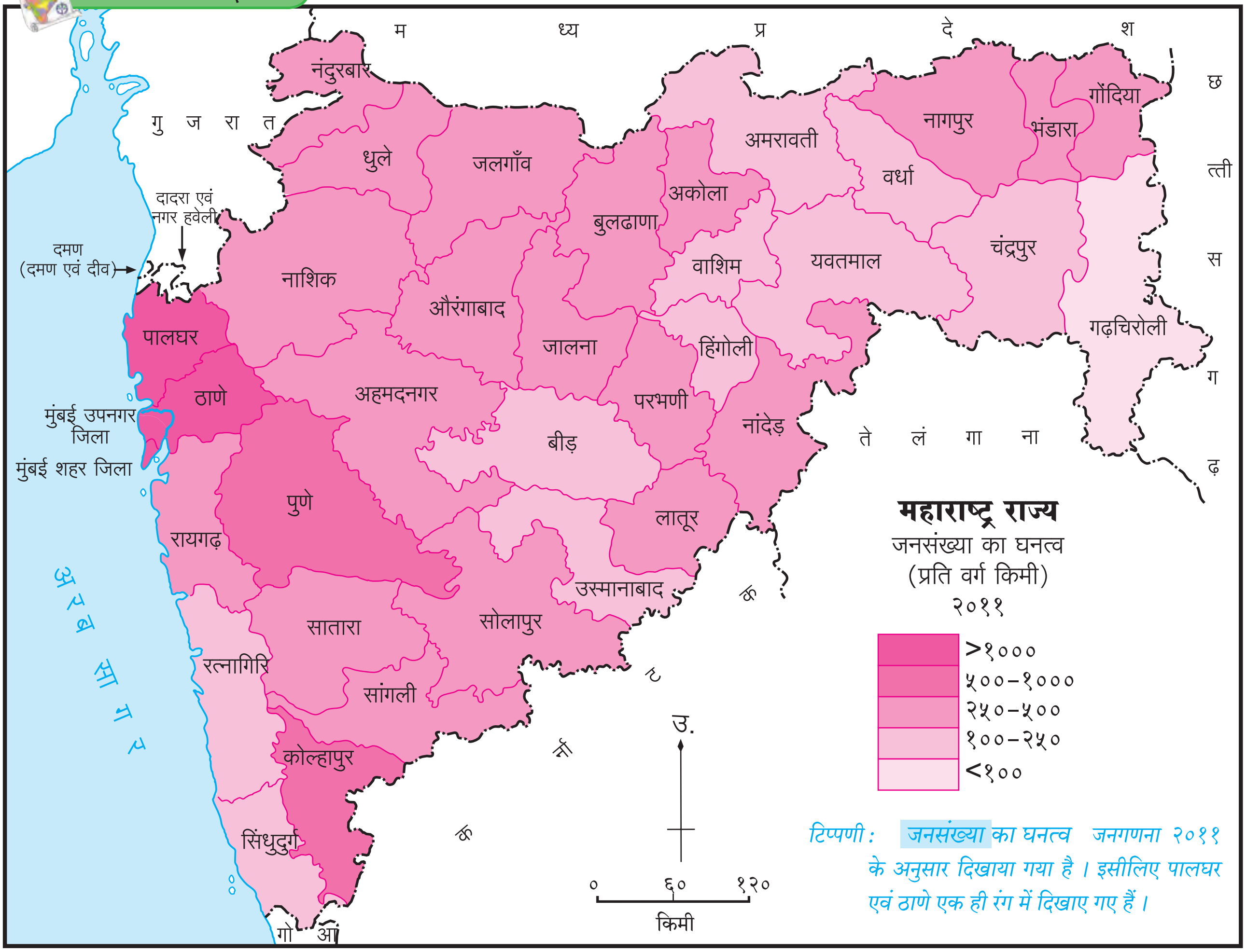

आकृति ७.५

महाराष्ट्र के जनसंख्या का घनत्व :

बताओ तो !

आकृति ७.५ का अध्ययन कर प्रश्नों के उत्तर दो :

- सबसे अधिक जनसंख्या का घनत्व कौन-कौन-से जिलों में है?
- उन जिलों के नाम बताओ जिनका घनत्व १०० प्रति वर्ग किमी से कम है।
- उन दो जिलों के नाम बताओ जहाँ जनसंख्या का घनत्व मध्यम है ।
- गहरे रंग से दिखाए गए घनत्व का मूल्य कितना है ?
- गढ़चिरोली में जनसंख्या घनत्व कम क्यों है ?
- प्राकृतिक संरचना, जलवायु , वन, उद्‌योग इत्यादि का घनत्व पर होने वाले परिणाम के विषय में कक्षा में चर्चा करो ।

भौगोलिक स्पष्टीकरण

महाराष्ट्र के जिलानिहाय जनसंख्या के घनत्व का विचार करने पर निम्न बिंदु ध्यान में आते हैं । महाराष्ट्र के पूर्वी भाग के जिलों में जनसंख्या का घनत्व कम है और पश्चिमी भाग में अधिक है । जनसंख्या के घनत्व पर नगरीकरण एवं औद्‌योगीकरण का प्रभाव अधिक है इसीलिए मुंबई शहर जिला, मुंबई उपनगर जिला, ठाणे (पूर्व का), पुणे एवं कोल्हापुर जिलों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है । नागपुर, नाशिक, अहमदनगर इत्यादि जिलों में जनसंख्या का घनत्व मध्यम है । वृष्टि-छाया एवं घने वनों के प्रदेशों के अंतर्गत आने वाले जिलों में जनसंख्या घनत्व कम है ।

HDI - Human Development Index

UNDP - United Nations Development Programme

क्या आप जानते हैं ?

जनसंख्या से संबंधित विभिन्न घटकों की जानकारी हमें प्रत्यक्ष सर्वेक्षण से ही प्राप्त होती है । सभी देशों में ऐसे सर्वेक्षण किए जाते हैं । ऐसे सर्वेक्षणों को जनगणना कहते हैं । भारत में यह जनगणना हर दस वर्ष में दशक के प्रारंभ में होती है । इस दशक का सर्वेक्षण २०११ में हुआ था । इस सर्वेक्षण से प्राप्त सांख्यिकीय जानकारी का उपयोग वर्गीकरण, आलेखों के द्‌वारा प्रस्तुतीकरण, तुलना, नियोजन इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यों के लिए किया जाता है ।

थोड़ा दिमाग लगाओ ।

निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर जनसंख्या अधिक अथवा कम होने से उसके लाभ एवं हानि को स्पष्ट करो ।

बिंदु	कम जनसंख्या	अधिक जनसंख्या
प्रति व्यक्ति भूमि क्षेत्र		
अन्न		
संसाधन		
प्रति व्यक्ति उत्पाद		
बुनियादी सेवाएँ एवं सुविधाएँ		
अनुत्पादक उपभोक्ताओं का अनुपात		
नियोजन		
रोजगार		
नगरीकरण		
स्वास्थ्य		
उच्च शिक्षा		
सामाजिक परिस्थिति		

देखो होता है क्या ?

पिछले दो शताब्दियों से भले ही भारत में परिवार के सदस्यों की संख्या में कमी आई है पर फिर भी देश की जनसंख्या तो बढ़ ही रही है । इसके पीछे का कारण ढूँढ़ो।

१८१०

१९१०

२०१०

थोड़ा दिमाग लगाओ ।

➤ जनगणना २०११ के अनुसार भारत की जनसंख्या १२१ करोड़ है। घरेलू उपयोग हेतु यदि प्रति व्यक्ति के लिए प्रतिदिन ५० लीटर पानी लगता है तो इस प्रकार से भारत में केवल घरेलू उपयोग के लिए प्रतिदिन कितने लीटर पानी का आवश्यकता पड़ती होगी ?

देखो होता है क्या ?

जनसंख्या के नियंत्रण हेतु निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करो ।

- लोक शिक्षा
- शिक्षा
- जन जागरूकता
- अनुसंधान
- स्वास्थ्य सुविधाएँ
- नियोजन
- सरकारी नीतियाँ

स्वाध्याय

प्रश्न १. निम्नलिखित कथनों को पूर्ण करो :

(अ) जन्म दर मृत्यु दर से अधिक होने पर जनसंख्या ......
 (i) में कमी आती है ।
 (ii) में वृद्धि होती है ।
 (iii) स्थिर होती है ।
 (iv) अतिरिक्त होती है ।

(आ) कार्यशील जनसंख्या में .... आयु-समूह के लोगों का समावेश होता है ।
 (i) ० से १४
 (ii) १४ से ६०
 (iii) १५ से ६०
 (iv) १५ से ५९

(इ) समाज में आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रसार .... कारक पर निर्भर है ।
 (i) लिंग अनुपात
 (ii) जन्म दर
 (iii) साक्षरता
 (iv) प्रवासन

प्रश्न २. निम्नलिखित कथनों की जाँच करो और अयोग्य कथनों को सुधारो ।

(अ) प्रदेश के क्षेत्रफल के आधार पर जनसंख्या के घनत्व का संकेत मिलता है ।

(आ) साक्षरता की दर से जनसंख्या की गुणवत्ता परिलक्षित होती है ।

(इ) जिस क्षेत्र से जनसंख्या प्रवासन करती है , उस प्रदेश के मानव संसाधन पर विपरीत परिणाम होता है ।

(ई) अधिक आर्थिक समृद्धि का अर्थ विकास है ।

(उ) विकासशील देशों का मानव विकास सूचकांक एक होता है ।

प्रश्न ३. संक्षेप में उत्तर दो ।

(अ) जनसंख्या के अध्ययन हेतु किन बिंदुओं पर ध्यान दिया जाता है ?

(आ) जनसंख्या वितरण पर परिणाम करने वाले अनुकूल एवं प्रतिकूल कारकों की सूची बनाओ ।

(इ) जिन प्रदेशों का घनत्व अधिक है उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ता होगा ?

(ई) जिन प्रदेशों का लिंग अनुपात कम है, उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ता होगा ?

प्रश्न ४. भौगोलिक कारण लिखो ।

(अ) जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन है ।

(आ) कार्यशील जनसंख्या का समूह महत्वपूर्ण है ।

(इ) आयु- समूहों का अध्ययन आवश्यक है ।

(ई) साक्षरता का सीधा संबंध विकास से है ।

(उ) मानव विकास सूचकांक के द्वारा देश के नागरिकों की वास्तविक प्रगति ज्ञात होती है ।

प्रश्न ५. टिप्पणी लिखो ।

(अ) लिंग अनुपात

(आ) आयु- समूह संरचना

(इ) साक्षरता

उपक्रम :

१. अपने आसपास के पाँच परिवारों का सर्वेक्षण कर निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर प्रस्तुतिकरण करो :
 (अ) लिंग (आ) आयु-समूह (इ) शिक्षा (ई) व्यवसाय

***